UFO
CINE MEDIA NETWORK

Publication: Navbharat Times
Date: 22/05/2020

NBT
नवभारत टाइम्स

## सिनेमा हॉल में फिल्म देखने का नया फॉर्मूला तैयार

# थिएटर में एक सीट छोड़कर बिठाएंगे एक फैमिली या ग्रुप को

**लॉकडाउन के चौथे चरण में बस, ट्रेन और एयरलाइंस के साथ दुकानों को भी कुछ प्रतिबंधों के साथ खोलने की इजाजत मिल गई है, तो सिनेमावालों को भी छूट की उम्मीद जगी है। उन्होंने सरकार को कुछ सुझाव सौंपे हैं :**

Prashant.Jain@timesgroup.com

लॉकडाउन के बाद जब सिनेमाघर खुलेंगे, क्या कपल्स और फैमिली को अलग-अलग बैठना होगा? तमाम सिनेमाप्रेमी इसे लेकर परेशान हैं। वहीं लॉकडाउन के दौरान आम पब्लिक के बीच सबसे ज्यादा इसी तरह के सवाल उठ रहे हैं। लेकिन अगर सरकार ने सिनेमाघर इंडस्ट्री के सुझावों को माना, तो सिनेमाघरों में न सिर्फ कपल्स बल्कि पूरी फैमिली और ग्रुप्स को साथ बैठ कर फिल्म देखने की इजाजत मिल सकती है।

### साथ बैठे फैमिली और कपल

लॉकडाउन के चौथे फेज में जब सरकार ने तमाम चीजों को खोलने की इजाजत दे दी है, तो सिनेमाघरवाले भी अपने लिए राहत की मांग कर रहे हैं। हाल ही में मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने सूचना प्रसारण मंत्रालय को अपने कुछ सुझावों की लिस्ट सौंपी है, जिसके तहत वे लॉकडाउन के बाद सिनेमाघरों को दोबारा खोलना चाहते हैं। इसमें सिनेमाघर की कपैसिटी के बारे में उन्होंने सुझाव दिया है कि फैमिली, ग्रुप्स और कपल्स को साथ बैठने की इजाजत मिलनी चाहिए। हालांकि हरेक ग्रुप के बाद एक सीट खाली छोड़ी जाएगी, ताकि उनमें सोशल डिस्टेंसिंग बनी रहे। वहीं लग्जरी ऑडिटोरियम्स में पहले ही सीटों के बीच फासला होता है। इसलिए वहां पर डिस्टेंसिंग फॉलो करने की जरूरत नहीं है। एसोसिएशन के मुताबिक यह सुझाव उन्होंने ग्लोबल सिनेमा स्टैंडर्ड्स के मुताबिक दिया है। दूसरे देशों में भी इसी तरह की चीजें अपनाई जा रही हैं।

### मास्क जरूरी, सिनेमाघर में खरीद सकेंगे पीपीई किट

एसोसिएशन द्वारा सरकार को दिए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि दर्शकों की सुरक्षा के लिए सभी दर्शकों का सिनेमा में एंट्री पर टेम्प्रेचर चेक किया जाएगा। इसके अलावा सभी दर्शकों के लिए मास्क पहनना जरूरी होगा। यही नहीं, अगर आप ज्यादा सुरक्षित रहकर फिल्म देखने का एक्सपीरियंस लेना चाहते हैं, तो आपके लिए पीपीई किट भी सिनेमाघर में बिक्री के लिए उपलब्ध होंगी। साथ ही सिनेमाघर के भीतर जगह-जगह पर सैनिटाइजर भी उपलब्ध होगा। वहीं अभी तक जहां कुछ सिनेमाघरों में रीयूजेबल श्रीडी ग्लास इस्तेमाल हो रहे थे। अब सभी सिनेमाघरों में सिंगल यूज वाले इस्तेमाल श्रीडी ग्लास इस्तेमाल किए जाएंगे। यानी कि श्रीडी फिल्म देखने के लिए हरेक दर्शक को नया श्रीडी ग्लास दिया जाएगा, जिसे इस्तेमाल के बाद नष्ट कर दिया जाएगा। साथ ही, सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए सिनेमाघर में सभी जगह निश्चित दूरी पर गोल घेरे बनाए जाएंगे।

### टिकट से लेकर खाना-पीना तक सब होगा ऑनलाइन

दर्शकों की सुरक्षा हेतु अब सिनेमाघरों ने टिकट से लेकर खाना-पीना तक सब कुछ ऑनलाइन बेचने का फैसला किया है। यानी कि कोरोनाकाल के बाद टिकट खिड़की से लेकर फूड काउंटर तक पर लगने वाली भीड़ बीते दिनों की बात हो जाएगी। सिनेमा एसोसिएशन के प्रस्ताव के मुताबिक ऑनलाइन टिकट को कियॉस्क पर दिखाकर सिनेमाघर में एंट्री हो जाएगी। वहीं खाने-पीने का सामान ऐप से ऑर्डर होगा। उसे भी सिंगल यूज डिस्पोजेबल पैकिंग में दिया जाएगा।

Imagesbazaar

**ये रखी जाएंगी सावधानियां**

- सभी दर्शकों का सिनेमाघर में एंट्री पर टेम्प्रेचर चेक होगा।
- सिनेमाघर में सभी दर्शकों के लिए मास्क पहनना जरूरी होगा।

**मत बेचो खाने-पीने का सामान**

**क्या सच में यह उनका प्रस्ताव है? क्या वे खाने-पीने का सामान बेचने के लिए इंतजार नहीं कर सकते? दर्शकों के बीच डिस्टेंसिंग का क्या होगा? शुरू में 50 फीसदी टिकट बेचने चाहिए।**

-हंसल मेहता, फिल्म डायरेक्टर

**जल्द खुल सकते हैं सिनेमा**

**एयरलाइंस के बाद अगला नंबर सिनेमाघरों का है। अब हमारे सिनेमाघरों को खुलने में ज्यादा देर नहीं है।**

-कैलाश बी गुप्ता, सीएफओ, आईनॉक्स सिनेमाज

**आ गया सिनेमा खोलने का टाइम**

**अमेरिका में फेज 1 में खोली जा रही चीजों में सिनेमाघर और मॉल्स भी शामिल हैं। अब वह समय आ गया है, जब हमें सिनेमाघरों और मॉल्स को दोबारा खोलने पर विचार शुरू कर देना चाहिए।**

-कमल ज्ञानचंदानी, सीईओ, पीवीआर

**सीटों के बीच ग्लास बैरियर**

**डिस्टेंसिंग के लिए सीटों के बीच में वे फ्लैक्सी ग्लास लगा सकते हैं, जिससे लोग एक-दूसरे के बीच डिस्टेंस बना सकें। यूएस में ऐसा ही आइडिया सिनेमाघर अपना रहे हैं।**

-कपिल अग्रवाल, जेएमडी, यूएफओ मूवीज

### डिस्टेंसिंग के लिए ग्लास बैरियर

एक सीट का गैप होने पर कुछ दर्शक दूसरे दर्शकों से असुरक्षा महसूस कर सकते हैं। इस बारे में यूएफओ मूवीज के जेएमडी कपिल अग्रवाल कहते हैं, 'सिनेमा अगर थोड़ा पैसा खर्च करना चाहते हैं, तो सीटों के बीच में वे फ्लैक्सी ग्लास बना सकते हैं, जिससे लोग एक-दूसरे के बीच डिस्टेंस बना सकें। यूएस में ऐसा ही आइडिया सिनेमाघर अपना रहे हैं। लेकिन अगर आप ग्लास पर पैसा खर्च नहीं करना चाहते, तो आपको दर्शकों को एक या दो सीट छोड़कर बैठाना होगा।' बकौल कपिल, 'हम देशभर के सिनेमाघरों के लिए एक नीति बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे सभी सिनेमाघर एक जैसे अंदाज में दर्शकों की सुरक्षा का ख्याल रखें। इसके लिए सबको एक जैसी गाइडलाइन बनाकर दी जाएंगी। साथ ही, दर्शकों को भी जागरूक करने के लिए हम एक शॉर्ट मूवी तैयार करेंगे, जिसमें उन्हें कोरोना से बचने के लिए सावधानी बरतने की अपील की जाएगी।'